IIS-CBCS(MA) —
DDCE (P-V) – Hn

2015

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer from **all** the Sections as directed.*

Section – A

(Word Limit : 700 – 1000)

निम्नलिखित प्रोश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : 12×3 = 36

1. 'शशिव्रता-विवाह' खण्ड के आधार पर 'पृथ्वीराज रासो' के श्रृंगार वर्णन का विवेचन कीजिए ।

2. " 'चर्यागीत' हिन्दी साहित्य का अभिन्न अंग नहीं है" — इस कथन की आलोचना कीजिए ।

3. ' 'अमीर खुसरो' खड़ी बोली के प्रथम साहित्यकार हैं' — इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? तर्क संगत उत्तर दीजिए ।

4. "कैमास-वध" खण्ड की ऐतिहासिकता की समीक्षा कीजिए ।

5. "विद्यापति श्रृंगार और प्रकृति के सफल चितेरे हैं" — पठित पदों के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

Section – B

(Word Limit : 500)

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

8×3 = 24

6. रहि रहि राग रचये रसवन्त
रति रत-रागिनि-रमन वसन्त
रहति रबाब महति कविनाश
राधारमन करु मुरलि-विलास ।

7. वह मलयानिल ओत उचित है
वन घन भओ उजिआरा ।
माधव फूल भल गज मुकुता तुल
ते देल वन्दरवारा ।

8. एकहि सयन सखि सुतल रे
अछल बालभ निसि मोर ।
न जानल कवि खल तेजि गेल रे
बिछुरल चकेवा जोर ।

9. श्रवनत भव श्रोतान त्रप । मन बंछै चहुआनि ।
मनु ससिवृत कुमारिकौ । पर्‌यौ उरद्धर बान ।

10. ससिर अंत आवत बसंत । बालह सैसव गम ।
अलिन पंव कोकिल सुकंउ । सजि गुंड मिलत भ्रम ।

Section – C

(Word Limit : 300)

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें :

5×2 = 10

(क) विद्यापति की भाषा

(ख) 'पृथ्वीराज रासो' के कवि

(ग) 'चर्यागीत' के प्रमुख विषय

(घ) हिन्दी साहित्य में अमीर खुसरो का महत्त्व

2015

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer from **all** the Sections as directed.*

Section – A

(Word Limit : 700 – 1000)

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 12×3 = 36

1. 'श्रद्धा के बिना कामायनी महाकाव्य अधूरा है' — विवेचना कीजिए ।

2. 'तुलसीदास' कविता में व्यक्त निराला के भावों को अपने शब्दों में लिखिए ।

3. मुक्तिबोध की कविता 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' का विचार विश्लेषण कीजिए ।

4. अज्ञेय की कविता 'बावरा अहेरी' की आलोचना कीजिए ।

5. 'संसद से सड़क तक' कविता के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

Section – B

(Word Limit : 500)

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

8×3 = 24

6. सुना यह मनु ने मधु गुंजार
    मधुकरी का-सा जब सानन्द,
किये मुख नीचा कमल समान
    प्रथम कवि का ज्यों सुन्दर छंद ।

7. कोमल किसलय के अंचल में
    नन्हीं कलिका ज्यों छिपती सी ।
गोधूली के धूमिल पट में
    दीपक के स्वर दीप्ति सी ।

8. है अमा-निशा ; उगलता गगन घन अन्धकार
खो रहा दिशा का ज्ञान ; स्तब्ध है पवन-चार ;
अप्रतिहत गरज रहा पीछे अंबुधि विशाल ;
भूधर ज्यों ध्यान-मग्न ; केवल जलती मशाल ।

9. धिक जीवन जो पाता ही आया विरोध
धिक साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध

जानकी : हाय उद्धार प्रिया का हो न सका
वह एक और मन रहा राम का जो न थका ।

10. भोर का बावरा अहेरी
पहले बिछाता है आलोक की
    लाल लाल कनियाँ
पर जब खींचता है जाल को
बाँध लेता है सभी जो साथ ।

Section – C

(Word Limit : 300)

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें :5×2 = 10

11. श्रद्धा ने मनु से अपना क्या परिचय दिया ?
12. लज्जा का परिचय दीजिए ।
13. अज्ञेयजी की कविता की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं ?
14. 'असाध्य वीणा' के केन्द्रीय भाव को स्पष्ट कीजिए।

2015

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Answer from all the Sections as directed.

Section – A

(Word Limit : 700 – 1000)

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : 12×3 = 36

1. ''जिस उपन्यास को समाप्त करने के बाद पाठक अपने अन्दर उत्कर्ष का अनुभव करे, उसके उद्धव जाग उठे, वही सफल उपन्यास है'' — प्रेमचन्द के इस कथन के आलोक में 'गोदान' का मूल्यांकन कीजिए ।

2. प्रोफेसर मेहता का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

3. 'रागदरबारी' में चित्रित ग्राम-जीवन की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

4. 'रागदरबारी' में निहित व्यंग्यात्मकता पर प्रकाश डालिए ।

5. कहानी-कला की दृष्टि से 'मलवे का मालिक' कहानी की आलोचना कीजिए ।

Section – B
(Word Limit : 500)

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

8×3 = 24

6. डरपोक प्राणियों में सत्य भी गूँगा हो जाता है । वही सीमेंट, जो ईंट पर चढ़कर पत्थर हो जाता है । मिट्टी पर चढ़ा दिया जाय तो मिट्टी हो जायगा । गोबर की निर्भीक स्पष्टवादिता ने उस अतीत के बख्तर को बेध डाला, जिससे सज्जित होकर नोखेराम की दुर्बल आत्मा अपने को शक्तिमान समझ रही थी ।

7. उसका चहकना और चमकना इसलिए नहीं है कि वह चहकने को ही जीवन समझती है, या उसने निजत्व को अपनी आँखों में इतना बढ़ा लिया है कि जो कुछ करे, अपने ही लिए करे । नहीं, वह इसलिए चहकती है और विनोद करती है कि इससे उसके कर्त्तव्य का भार कुछ हल्का हो जाता है ।

8. दुःख मनुष्य को माँजता है । बात कुल इतनी नहीं है, सच तो यह है कि दुःख मनुष्य को पहले फींचता है, फिर फींचकर निचोड़ता है, फिर निचोड़कर उसके चेहरे को घुग्घू जैसा बनाकर उस पर दो चार काला-सफेद लकीरें खींच देता है । फिर उसे सड़क पर लम्बे-लम्बे डगों से टलहने के लिए छोड़ देता है ।

9. तो चूड़ियाँ पहनकर अन्दर बैठो न ! लाओ, मैं मूँच्छें लगा लूँ । मैं तो समझती थी कि तुम में भी कुछ कस-बल है । जब देखती हूँ तो निरे मिट्टी के लौंदे हो ।

10. उसे लगा कि जैसे उसकी टाँगे बाँस की लकड़ियों की तरह उसके शरीर से बँधी है जिसकी गाँठ धीरे-धीरे खुलती जा रही हैं । सिर की चकराहट अभी मिटी नहीं थी, मगर जब जैसे वह भीतर न होकर बाहर फैली हुई धुंध का हिस्सा बन गई थी ।

Section – C
(Word Limit : 300)

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें :

5×2 = 10

11. 'गोदान' शीर्षक की सार्थकता प्रतिपादित कीजिए ।

12. 'रागदरबारी' की भाषा-शैली पर विचार कीजिए।

13. 'कोसी का घटवार' का मुख्य प्रतिपाद्य क्या है ?

14. सामान्य उपन्यास और आँचलिक उपन्यास में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

IIS-CBCS(MA) —
DDCE (P-IX) – Hn

2015

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer from **all** the Sections as directed.*

Section – A

(Word Limit : 700 – 1000)

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : 12×3 = 36

1. 'आधे-अधूरे' नाटक के नाट्य-शिल्प की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

2. हिन्दी एकांकी के विकास-क्रम में डॉ० रामकुमार वर्मा के योगदान का आकलन कीजिए ।

3. पठित निबन्ध के आधार पर आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के उर्मिला विषयक विचारों का वर्णन कीजिए ।

4. पं० बालकृष्ण भट्ट ने साहित्य को जनसमूह के हृदय का विकास क्यों माना है ? सोदाहरण बतलाइए ।

5. " 'आधे-अधूरे' नाटक पारिवारिक जीवन के अधूरेपन को दर्शाता है" — पठित नाटक के आधार पर इस कथन का विवेचन कीजिए ।

Section – B

(Word Limit : 500)

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

8×3 = 24

6. कारण हर चीज का कुछ न कुछ होता है हालांकि यह आवश्यक नहीं है कि जो कारण दिया जाए वास्तविक कारण वही हो और जब मैं अपने ही संबंध में निश्चित नहीं हूँ, तो और किसी चीज के कारण अकारण के संबंध में निश्चित कैसे हो सकता हूँ ।

7. एक आदमी है, 'घर बसाता है । क्यों बसाता है ? एक जरूरत पूरी करने के लिए । कौन-सी जरूरत ? अपने अन्दर के किसी उसको .....एक अधूरापन कह लीजिए उसे.....उसको भर सकने की ।

8. अगर औरतें भी वही करने लगीं, क्योंकि अखबार पढ़ने लगीं और 'पॉलिटिकस' वगैरह पर बहस करने लगीं तब तो हो चुकी गृहस्थी जनाव । मोर के पंख होते हैं मोरनी के नहीं, शेर के बाल होते हैं शेरनी के नहीं ।

9. "हम सब एक महान पेड़ की डालियाँ हैं" — वे कहा करते हैं, और इससे पहले कि कोई डाली टूटकर अलग हो, मैं ही इस घर से अलग हो जाऊँगा ।"

10. कवि स्वभाव से ही उच्छृंखल होते हैं वे जिस तरफ झुक गए, झुक गए । जी में आया तो राई को पर्वत कर दिया, जी में न आया तो हिमालय की तरफ भी आँख उठाकर न देखा ।

Section – C

(Word Limit : 300)

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें :

5×2 = 10

11. 'आधे-अधूरे' नाटक के शीर्षक की सार्थकता

12. 'चारुमित्रा' एकांकी की ऐतिहासिकता

13. महेन्द्रनाथ का व्यक्तित्त्व

14. 'महभारत की एक साँझ' एकांकी का दुर्योधन